(7) ट्रेड––बुनाई

कक्षा–12

पाठ्यक्रम––

इस ट्रेड में तीन–तीन घण्टे के पांच प्रश्न–पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् रहेगा :

	पूर्णांक		उत्तीर्णांक	
(क) सैद्धान्तिक––				
प्रथम प्रश्न–पत्र	60		20	
द्वितीय प्रश्न–पत्र	60		20	
तृतीय प्रश्न–पत्र	60	300	20	100
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	60		20	
पंचम प्रश्न–पत्र	60		20	
(ख) प्रयोगात्मक––				
आन्तरिक परीक्षा	200	400	200	
वाह्य परीक्षा	200			

नोट––परीक्षार्थियों को प्रत्येक लिखित प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

प्रथम प्रश्न–पत्र
बुनाई सिद्धान्त

1––सूत पर माड़ी देना, विभिन्न प्रकार के माड़ी पदार्थ, लच्छी पर माड़ी लगाना तथा ताने पर माड़ी लगाना। 20

2––विभिन्न प्रकार के ऊन, वानस्पतिक प्राणिज, खनिज तन्तु आदि। 20

5––वस्त्र उद्योग में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रकार के करघे। 20

---

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–

3––रेशम के उत्पादन, सिल्क रीडिंग।

4––खनिज, तन्तु, ऐम्बेस्टर, सोने–चाँदी, लोहे के तार आदि।

द्वितीय प्रश्न–पत्र
बुनाई मैकेनिज्म

1––ताने का करघे पर चढ़ाना, पावड़ी, बधाव होल्डो को बांधना। 20

2——तानो की बाबिन भरना, उसे ढरफी में लगाकर कपड़ा बुनना। 15

3——शुद्ध किनारा, वस्त्र का अच्छा पोता, अच्छा दग बनाना, पोलर और बफर का कार्य। कपड़े की अशुद्धियां कारण एवं निवारण। 10

5——करघे का मुख्य एवं गौड़ चार्ट। 15

---

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम—

4——कपड़ा तैयार होने के पश्चात् उसे साफ करना और कुंदी करके बाजार में उपयुक्त करना

तृतीय प्रश्न—पत्र

बुनाई आलेखन (**Textile Design**)

1——ग्राफ की उपयोगिता, ग्राफ पर आलेख, भराव और पावड़ी बचाव दिखाना। 20

3——तौलिया का आलेखन, हनी काम्ब, हल्का बैंक। 20

4——अतिरिक्त ताने की सहायता से अक्षर लिखना। 20

---

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम—

2——विभिन्न प्रकार के कपड़ों की तुलनात्मक विवेचना।

चतुर्थ प्रश्न—पत्र

(बुनाई—गणित)

पाठ्यक्रम कम होने के कारण कम नही किया जा सकता।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् हैं।

1——वय और कंधी का अंक निकालना। 40

2——किसी कपड़े में धान बनाने में ताने बाने के सूतों का भार ज्ञात करना। 20

पंचम प्रश्न—पत्र

(सम्बन्धित कला)

(2) रंगों की संगति——एक रंग, समान रंग, विरोधी रंग, मन्यभूत रंग, उन्नत रंग, संगतियां 20

(3) टोन, टिन्ट, शेड आदि की विवेचना। 30

(4) आस्टवाल्ड रंग, वृत्त, प्रकाश एवं पदार्थ रंग। 10

प्रयोगात्मक कार्य

(1) ताने की बीम तैयार होने के पश्चात् बुनाई के लिये उसे करघे पर चढ़ाना, निर्धारित डिजाइनों को बुनना।

(2) पुली जक का प्रयोग, पावड़ी बधाव।

(3) बुनाई की प्रारम्भिक क्रियायें, दम बनाना, वाना फेकना, ठोकना।

(4) करघे के भाग और उनके कार्य जैसे पावड़ी, पैसार, लीज रीड आदि। शटल का बाहर भागना, कपड़े में मुख्य दोष व उनका निराकरण।

(5) विद्यार्थियों के किये गये प्रयोगात्मक कार्य का लेखा तैयार करना चाहिये जो प्रदर्शक द्वारा हस्ताक्षरित हो तथा बुनाई अध्यापक द्वारा भी हस्ताक्षरित हो जिसे प्रयोगात्मक परीक्षक के समक्ष रखा जायें।

प्रयोगात्मक परीक्षा की रूप–रेखा

प्रत्येक छात्र, की वार्षिक परीक्षा हेतु प्रयोगात्मक परीक्षक के समक्ष कम से कम तीन नमूने वाले बुने हुये रेशे पर बुनाई की विशेषताओं से युक्त चित्र संग्रही प्रधानाचार्य, बुनाई अध्यापक तथा प्रदर्शक के द्वारा हस्ताक्षरित और प्रमाणित होना चाहिये। वह कार्य बिना किसी सहायता के व्यक्ति विशेष द्वारा सम्पादित किया गया है।

जो मशीनें आधुनिक कारखाने में उपलब्ध हैं तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं उनके सम्बन्ध में विद्यार्थी के ज्ञान क्षेत्र को बढ़ाने के लिये उन्हें स्वयं पर्यटन द्वारा देखने का अवसर प्रदान करना चाहिये।

1––वाह्य प्रयोगात्मक परीक्षा के अंकों का विभाजन–– 200 अंक

(1) तैयारी कार्य,
(2) बुनाई,
(3) मेकेनिज्म,
(4) मौखिक।

2––आन्तरिक मूल्यांकन–– 200 अंक

(1) सत्रीय कार्य
(2) कार्य स्थल पर प्रशिक्षण।

नोट––प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये 50 प्रतिशत अंक पाना आवश्यक है।

---

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–

(1) रंग––विभिन्न प्रकार के रंगों की पहचान करना।